an>

title: Demand for modernization of postal services in rural areas.

श्रीमती नीलम सोनकर (लालगंज) : अध्यक्ष महोदया, देश में लगभग 425 वर्ष पुरानी भारतीय डाक प्रणाली संसार की सर्वोत्तम विश्वसनीय और सबसे बड़ी डाक प्रणाली है। आज भी हर साल लगभग एक हजार करोड़ पत्र दरवाजे-दरवाजे पहुंचाए जाते हैं। विकास के क्रम में डाकिए द्वारा चिट्ठी बांटने को स्पीड पोस्ट और स्पीड पोस्ट से ई-पोस्ट के युग तक पहुंचाया गया है। मैं बधाई दूंगी कि भारत सरकार ने घर बैठे ऋषिकेश और गंगोत्री का पवित्र गंगा जल देशवासियों को उपलब्ध कराया है, किन्तु आज भी बड़े पैमाने पर डाक घर किराए के भवन में चल रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक व्यवस्था व ई-प्रणाली काम नहीं कर रही है।

मैं सदन के माध्यम से संचार मंत्री जी से मांग करती हूं कि ग्रामीण क्षेत्रों में डाक घरों के अपने भवन के साथ ही आधुनिक व्यवस्था, ई-प्रणाली व एटीएम से युक्त डाक घर संचालित करने की व्यवस्था की जाए। जहां रेल टिकट आरक्षण के साथ बिजली, टेलीफोन आदि बिल जमा करने की सुविधा जनता को एक स्थान पर आसानी से मिलना सुनिश्चित हो सके।

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र और

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्रीमती नीलम सोनकर द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।